Edit with WPS Office

सही मिलान करो-

1. चौधरी को समझाया कि दुनिया में ज़बान	से बढ़कर कुछ नहीं होता।
2. चौधरी के चार जवान	बेटे थे।
3. सुनकर उसकी आँखों में	खून उतर आया।
4. सबसे छोटा बेटा कुछ और ही	सोच रहा था।
5. कल का दाँव सेठ के लिए बहुत	मुफ़ीद रहा।
6. सेठ को लगा कि यह तो कल वाले	बाबा से भी भोला है।
7. सेठ टके देने के लिए मुट्ठियाँ	खोल ही रहा था।
8.छोटा बेटा दोनों बैलगाड़ियों के साथ	अपने गाँव लौट आया।

प्रश्न उत्तर

1. सेठ ने चौधरी को गाड़ी और बैल को हाथ लगाने को क्यों मना किया ?

उत्तर-सेठ चौधरी को गाड़ी और बैल को हाथ लगाने को मना कर रहा था क्योंकि चतुर सेठ ने भोले- भाले चौधरी को बातों ही बातों में ठग लिया था। ज़ुबान की दुहाई देखकर उसकी गाड़ी और बैल ठग लिए थे ।

2. सेठ और चौधरी दोनों में से कुतर्क कौन कर रहा था?

उत्तर-सेठ और चौधरी दोनों में से सेठ कुतर्क कर रहा था।

3. शहर से वापस लौट कर चौधरी ने अपने बेटों को क्या बताया?

उत्तर-शहर से वापस लौटकर चौधरी ने अपने बेटों को बताया कि बैलगाड़ी तो ठिकाने लगी। तुम में दम हो तो कुछ करो। सेठ के आगे मेरी एक नहीं चली। वहीं से पाँव रगड़ते हुए आ रहा हूँ।चौधरी ने पूरी कहानी बताते हुए कहा कि मैं तो सेठ के सामने बहुत गिड़गिड़ाया। पाँव में पगड़ी रखी पर उसने तो एक ही बात पकड़ रखी है कि जबान एक होती है या दो।अगर आदमी यूं ज़बान बदलने लगा तो दुनिया कैसे चलेगी। मुझे तो बोलने ही नहीं दिया।

4. सेठ ने चौधरी के लड़के को भी कैसे ठगना चाहा?

उत्तर-सेठ ने चौधरी के लड़के को भी ठीक उसी तरह ठगना चाहा जिस तरह उसने भोले- भाले चौधरी को ठगा था।

5. चौधरी के लड़के ने सेठ को कैसे सबक सिखाया?

उत्तर- चौधरी के लड़के ने सेठ को उसकी ही ज़ुबान में बाँधकर,उसी के तराजू में, उसी के बाट से तौलकर, उसी के भाव से उसको सबक सिखाया अर्थात सेठ की बातों में सेठ को ऐसे फंसा लिया कि उसको नानी याद आ गई।

6.क्या इस कहानी का शीर्षक 'शह में मात' उपयुक्त है?कहानी के संदर्भ में स्पष्ट करते हुए एक शीर्षक और सुझाइए।

उत्तर- जी हाँ, इस कहानी का शीर्षक 'शह में मात' उपयुक्त है क्योंकि इस कहानी में यह बात स्पष्ट हो गई कि लालच करने वाले को कर्म भोगना ही पड़ता है जैसे कि इस पाठ में सेठ ने लालच किया और एक बाजी मार भी गया लेकिन यह आदत उसे

Edit with WPS Office

महंगी पड़ी।इस कहानी का एक और शीर्षक 'जैसे को तैसा' हो सकता था।इस कथा में सेठ ने बूढ़े चौधरी के साथ जैसा किया अंत में वैसा ही सेठ के साथ हुआ और उसे सबक भी मिल गया।